

9/19

संस्कृत पद्य १५ । पाठ्य पुस्तक

पञ्चाङ्ग की पैदा हुई। पकीर। प्राचीन मूलक।
 व्यायाम्य क्रम में बार-बार उपार्ज लक्ष्य में
 लेनील जोई उपलब्धि हुआ। व्यायाम्य का समय
 सम्पादन होने जा रहा है जिसका अवकाश हमें
 पैरवी से अवधिज की जाती है पञ्चाङ्ग की
 शुभार होकर उपलब्ध था।

सुभाषक कलकत्ता, भारत

